aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2016 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2016	Question Paper	Hindi Typing	17 Jan 2016

SHIFT
Shift 1

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript Shift 1
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2016-11-10 15:06:11
Duration:	20
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	82005141
Group Maximum Duration :	5
Group Minimum Duration :	5
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	82005181
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	82005181
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 820051791 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था. एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा. अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा.

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript

Actual

Group Number :	2
Group Id :	82005142
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	82005182
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	82005182
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 820051792 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

5 सितम्बर को एक बार फिर सारा देश भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन का जन्मदिवस 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाने जा रहा है। महर्षि अरविंद ने शिक्षकों के सम्बन्ध में कहा है कि "शिक्षक राष्ट्र की संस्कृति के बुद्धिमान माली होते हैं। वे संस्कारों की जडों में खाद देते हैं और अपने श्रम से सींचकर उन्हें शक्ति में निर्मित करते हैं।" महर्षि अरविंद का मानना था कि किसी राष्ट्र के वास्तविक निर्माता उस देश के शिक्षक होते हैं। इस प्रकार एक विकसित, समृद्ध और खुशहाल देश व विश्व के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका ही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। आज कोई भी बालक 2-3 वर्ष की अवस्था में विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए आता है। बचपन की इस अवस्था में बालक का मन-मस्तिष्क एक कोरे कागज के समान होता है। शिक्षकों के द्वारा शिक्षा के माध्यम से इस कोरे कागज रूपी मन-मस्तिष्क में विद्यालयों के शुरूआत के 5-6 वर्षों में दिये गए संस्कार एवं गुण उनके सम्पूर्ण जीवन को सुन्दर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। एक अच्छा शिल्पकार किसी भी प्रकार के पत्थर को तराश कर उसे सुन्दर आकृति का रूप देता है । किसी भी सुन्दर मूर्ति को तराशने में शिल्पकार की बहुत बडी भूमिका होती है। इसी प्रकार एक अच्छा कुम्हार वही होता है जो गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान करके उसे समाज के लिए उपयोगी बर्तन अथवा एक सुन्दर मूर्ति का रूप देता है। यदि शिल्पकार तथा कुम्हार द्वारा तैयार की गई मूर्ति एवं बर्तन सुन्दर नहीं है, तो वह जिस स्थान पर रखे जायेंगे उस स्थान को अधिक विकृत स्वरूप ही प्रदान करेंगे। शिल्पकार एवं कुम्हार की भाँति ही स्कूलों एवं उसके शिक्षकों का यह प्रथम दायित्व एवं कर्त्तव्य है कि वह अपने यहाँ अध्ययनरत् सभी बच्चों को इस प्रकार से संवारे और सजाये कि उनके द्वारा शिक्षित किये गए सभी बच्चे 'विश्व का प्रकाश' बनकर सारे विश्व को अपनी रोशनी से प्रकाशित कर सकें। इसी प्रकार शिक्षक उस शिल्पकार या कुम्हार की भाँति होता है जो प्रत्येक बालक को समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप एक सुन्दर आकृति का रूप प्रदान करके, उसे 'समाज का प्रकाश' बना सकता है अथवा उसे विकृत रूप प्रदान करके 'समाज का अंधकार' बना सकता है। एक कुशल इंजीनियर वही होता है जो एक भव्य इमारत या भवन के निर्माण में उसकी नींव को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानते हुए उसे मजबूत बनाता है। और जब किसी इमारत की नींव मजबूत हो तो फिर आप उसके ऊपर बनाये जाने वाली इमारत को जितना चाहें उतना ऊँचा बना सकते हैं। और इस प्रकार से बनी हुई इमारत अन्य भवनों एवं इमारतों की अपेक्षा अधिक समय तक अपने अस्तित्व को बनाये रखने में सफल होती है। ठीक इसी प्रकार से हमें बच्चों के बारे में भी सोचना चाहिए, क्योंकि आज के बच्चे ही कल अपने परिवार, समाज, देश तथा विश्व के भविष्य निर्माता बनेंगे। इसलिए हमें प्रत्येक बच्चे की नींव को मजबूत करने के लिए बचपन से ही उसे उसकी वास्तविकताओं के आधार पर भौतिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक तीनों प्रकार की उद्देश्यपूर्ण एवं संतुलित शिक्षा देनी चाहिए।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript